REVIEW OF RESEARCH

उत्तराखण्ड के जनपद टिहरी में जनसंख्या का प्रतिरूपः एक भौगोलिक अध्ययन

डॉ. दीपारानी

अस्सिटेंट प्रोफेसर, रा0 स्ना0 महा0 नागनाथ, पोखरी, चमोली।

ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514
VOLUME - 8 | ISSUE - 8 | MAY - 2019

प्रस्तावना :

जनसंख्या वितरण का स्थानिक स्वरूप, सामाजिक आर्थिक, सांस्कृतिक एंव एतिहारिक धरोहर का समन्वित प्रतिरूप दर्शाता है सामाजिक गतिशीलता तथा संसाधनो का परस्पर सम्बन्ध अनेक एतिहासिक बिन्दुओ पर मानवीय पक्षों को प्रभावित किया है। अनेक प्राचीन एतिहासिक गतिविधियों से प्रभावित किसी क्षेत्र विशेष का जनसंख्या वितरण प्रतिरूप वर्तमान समय की अनेक चुनौतियों की अथाह सम्भावनाओं को समेटे रहती है। सामान्यतः किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या का विवरण उस क्षेत्र के भौतिक गुणों तथा आर्थिक दशाओं पर आधारित होता है क्यो कि आर्थिक दृष्टि से मजबूत होने पर ही क्षेत्र विशेष की और मानव जीवन निर्वाह के लिए प्राकृतिक रूप में आकर्षित होता है। मानव संसाधन पर्यावरण के महम्पूर्ण तत्व के रूप में अभिन्न अंग है जो कि क्षेत्रीय विशलेषण के लिए गहन भूमिका निभाती है। टिहरी गढवाल की जलवायु भिन्नता यहॉ जनसंख्या वितरण में उत्तरदायी रही है।

कुजीं शब्द– जनसंख्या, टिहरी जनपद, शिक्षा.

अध्ययन क्षेत्र–

टिहरी गढवाल भारत के उत्तराखण्ड राज्य का एक जिला है। जिसका विस्तार 30^0 23′ उत्तरी अक्षांश से 30^0 38′ उत्तरी अक्षांश तथा 78^0 29′ पूर्वी देशान्तर से 78^0 48′ पूर्वी के मध्य है। जनपद का क्षेत्रफल 3642 वर्ग किमी है जो सम्पूर्ण उत्तराखण्ड क्षेत्रफल का 6.81 है। इस जनपद की सीमा पूर्व में रूद्रप्रयाग पश्चिम में देहारदून, उत्तकाशी तथा दक्षिण में पौडी जनपद से लगी है। वर्तमान में यह जनपद 9 विकासखण्डों भिलगना, कीर्तिनगर, प्रतापनगर, जाखणीधार, देवप्रयाग, थौलधार, जौनपुर चम्बा, तथा नरेन्द्रनगर में विभक्त है।

अध्ययन का उद्देश्य–

प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य जनपद टिहरी में विकासखण्डवार जनसंख्या वितरण अनुसूचित जाति तथा जनजाति का विवरण तथा साक्षरता के प्रतिरूप का अध्ययन महत्वपूर्ण है। जनसंख्या वितरण में जनपद की जनसंख्या के असमान वितरण को प्रभावित करने वाले कारको की भूमिका महत्वपूर्ण है।

आकडें एवं विधितन्त्र–

प्रस्तुत अध्ययन द्वितीयक आकडो पर आधारित है ये आकडें साख्यिकी पत्रिका जनपद टिहरी द्वारा प्राप्त किए गये है तथा इनका उद्देश्य सारणीयन एवं विभिन्न सांख्यिकीय विधियों से विश्लेषण किया गया है।

टिहरी जनपद में जनंसख्या का प्रतिरूप –

पृथ्वी पर जनसंख्या का वितरण बहुत विषम है। केवल कुछ थोडे से प्रदेश ऐसे है जहॉ मानव निवास बहुत ज्यादा सघन है जबकि बडे भू–भाग खाली पडे है। वर्तमान वितरण में इतनी विषमता के बहुत से कारण है। मानवीय वितरण पर वातावरण के तत्वों और देश की उत्पादक क्षमता का प्रभाव पडता है। प्राकृतिक वातावरण जैसे जलवायु, मिट्टयॉ, भूमि की बनावट, जलपूर्ति के साधन और खनिज पदार्थो का मुख्य प्रभाव होता है। कुछ अशों मे सास्कृतिक विषमताओं के कारण भी जनसंख्या का वितरण विषम है। जनपद में भी यह विषमताए देखने

को मिलती है। भौगोलिक एंव सास्कृतिक विषमताओं के अतिरिक्त शिक्षा एवं रोजगार के कारण पलायन ने भी यहॉ के जनसंख्या के प्रतिरूप को प्रभावित किया है।

जनसंख्या वितरण प्रारूप का अर्थ सम्पूर्ण विश्व मे निवास करने वाली जनसंख्या से है। वास्तव में भिन्न राष्ट्रों के जनसंख्या आकार से उस क्षेत्र की प्रवृतियों एंव प्रतिरूपों को ठीक तरह से समझा जा सकता है क्यो कि राष्ट्र अथाव देश एक भौगोलिक इकाई होते है जिसमें जनसंख्या पर्यावरण तथा संसाधनों से सम्बध निर्णय लिए जाते है। इसी प्रकार जनपद टिहरी उत्तराखण्ड की एक राजनैतिक तथा भौगोलिक इकाई है। जिसकी जनसंख्या वितरण प्रारूप का अध्ययन विकासखण्ड के आधार पर किया गया है जिसको निम्न प्रतिरूपों मे विभाजित किया गया है।

1– विरल जनसख्या वाले क्षेत्र– जनपद टिहरी के जनसंख्या वितरण का अध्ययन करने पर स्पस्ट होता है कि जनपद के कुछ विकासखण्डों मे जनसंख्या बहुत विरल है। जिनमें जनसंख्या 50 हजार से कम है। जिसमे कीर्तिनगर, जाखणीधार और थौलधार विकासखण्ड सम्मिलित है। इस विकासखण्डों मे जनसंख्या का विखरा बसाव मिलता है। इसका मुख्य कारण यहॉ कष्टकर जलवायु एवं जटिल भूआकृतिक तन्त्र है। जिससे कई क्षेत्र मानव बसाव के लिए उपयुक्त नही है।

2–मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र– प्रातपनगर, देवप्रयाग तथा जैनपुर विकासखण्ड मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र है। इस क्षेत्रों की जनसंख्या 50 हजार से 80 हजार के मध्य है। इस सम्पूर्ण क्षेत्र में जटिल भूआकृतिक तन्त्र होने क बावजूद जनसंख्या अधिक है। वास्तव मे यह क्षेत्र यातायात के साधनो से मैदानी क्षेत्रो से जुडा है तथा कीर्तिनगर व देवप्रयाग जैसे छोटे–छोटे नगरो का विकास हुआ जिनमे शिक्षा तथा यातायात साधनो की बहुलता रही है ।

3–अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र– जनपद टिहरी के भिलगना, चम्बा तथा नरेन्द्रनगर विकासखण्डों में 80 हजार से अधिक जनसंख्या निवासित है। इन विकासखण्डों में टिहरी चम्बा नरेन्द्रनगर मुनिकी रेती ढालवाला आदि नगरों में नगरीयकरण, यातायात साधनों का विकास, रोजगार के अवसर तथाा शिक्षा की उत्तम व्यवस्थाा आदि अन्य कारक है जो जनसंख्या के विकास में सहायक है।

तालिकाः 1

जनपद टिहरी में विकासखण्डवार जनसंख्या का प्रतिरुप 2011						
विकास खण्ड	व्यक्ति	पुरुष	महिला	जनसंख्या प्रतिशत में		
				व्यक्ति	पुरुष	महिला
भिलंगना	109756	49466	60290	17.73	7.99	9.74
कीर्तिनगर	47146	22432	24714	7.62	3.62	4.00
प्रतापनगर	62618	29834	32784	10.12	4.82	5.30
जाखणीधार	47520	21897	25623	7.67	3.54	4.13
देवप्रयाग	53634	25187	28447	8.66	4.07	4.59
थौलधार	43403	20265	23138	7.02	3.28	3.74
जौनपुर	72219	36155	36064	11.66	5.84	5.82
चम्बा	84362	42404	41954	13.64	6.85	6.79
नरेन्द्रनगर	98273	50342	47931	15.88	8.13	7.75
योग जनपद	**618931**	**297986**	**320945**	**100.00**	**48.14**	**51.86**

स्रोत– सांख्यिकीय पत्रिका टिहरी गढ़वाल, 2011।

उपर्युक्त स्पष्ट होता है कि 2011 की जनगणना के अनुसार जनपद टिहरी की कुल जनसंख्या 618931 में 297986 पुरुष तथा 320945 स्त्री जनसंख्या है जिसमें सबसे अधिक भिलंगना विकासखण्ड में 17.73 प्रतिशत

तथा सबसे कम जौनपुर विकासखण्ड में 7.03 प्रतिशत जनंसख्या निवास करती है। अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या वितरण को प्राकृतिक वातावरण एवं सास्कृतिक वातावरण ने अपनी क्षमताओं के अनुरुप प्रभावित किया है क्योकि तीव्र ढाल, अपखण्डित धरातल की अधिकता के कारण मानव बसाव में परिवर्तन मिल जाता है। अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या मुख्यतः नदी घाटियों में निवासित है तथा पर्वतीय क्षेत्रों में जनसंख्या वितरण उपरी भागों में सूर्योन्यमुखी ढालों में देखने को मिलती है।

जनपद में अनुसूचित जाति एवं जनजाति जनसंख्या का वितरण –

राज्य सरकार की प्रतिबद्धताओं के अनुसार अनुसूचित जातियों एंव जनजातियों के कल्याण एवं उनके जीवनस्तर में सुधार को उच्च प्राथमिकता दी गई है। इन वर्गों के लोगों के आर्थिक, सामाजिक एंव शैक्षिक उत्थान हेतु कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। जिससे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। जिससे विभिन्न कल्याणकारी मुख्य उददेश्य अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों का शैक्षिक, सामाजिकएवं आर्थिक स्तर उन्हें सहयोग कर समाज की मुख्य धारा से उन्हें जोड़ना है। जनपद टिहरी में अनुसूचित जाति की जनसंख्या 102130 है जो जनपद की सम्पूर्ण जनसंख्या की 16.50 प्रतिशत है तथा यहॉ अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या मात्र 875 है जोकि सम्पूर्ण जनसंख्या के 0.14 प्रतिशत है। अध्ययन क्षेत्र की अनुसूचित जाति एवं जनजाति जनसंख्या वितरण को सारणी में दर्शाया गया है।

तालिकाः 2

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का वितरण 2011

क्र0स0	विकास खण्ड	अनुसूचित जाति की जनसंख्या प्रतिशत में			अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या प्रतिशत में		
		व्यक्ति	पुरुष	महिला	व्यक्ति	पुरुष	महिला
1	भिलंगना	20.4	21.56	19.45	0.04	0.03	0.04
2	कीर्तिनगर	18.59	19.18	18.05	0.3	0.38	0.23
3	प्रतापनगर	15.09	15.48	14.74	0.03	0.04	0.02
4	जाखणीधार	18.47	19.5	17.58	0.04	0.04	0.04
5	देवप्रयाग	18.18	19.04	17.42	0.15	0.14	0.16
6	थौलधार	19.31	20.06	18.64	0.01	0.01	0.01
7	जौनपुर	18.8	18.98	18.61	0.37	0.3	0.45
8	चम्बा	12.22	12.31	12.12	0.17	0.34	0.2
9	नरेन्द्रनगर	10.93	11.06	10.79	0.05	0.09	0.06
10	योग जनपद	16.5	16.9	16.13	0.14	0.15	0.13

स्रोत– सांख्यिकीय पत्रिका टिहरी गढ़वाल, 2011।

आरेखः— 1

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का वितरण 2011

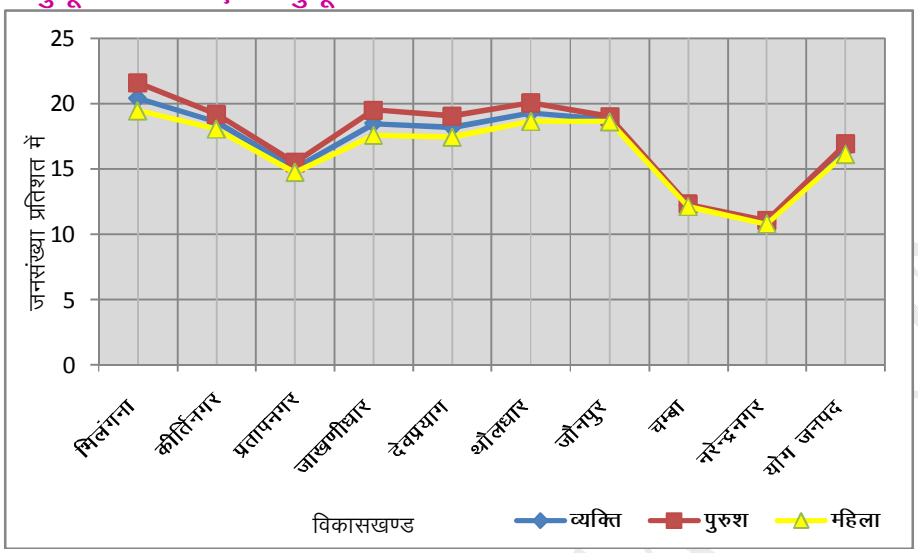

उपर्युक्त सारणी के अवलोकन से स्पस्ट होता है कि जनपद टिहरी गढवाल में सर्वाधिक अनुसूचित जाति की जनसंख्या भिलगना विकासखण्ड में 20.4% तथा सबसे कम नरेन्द्रनगर विकासखण्ड मे 10.93% पायी जाती है। अध्ययन क्षेत्र में सबसे अधिक अनुसूचित जनजाति जौनपुर विकासखण्ड में 0.37% तथा सबसे कम थौलधार विकासखण्ड में पायी जाती है।

साक्षरता—

मानव प्रकृति की सर्वोत्तम रचना है क्यो कि उन्हे सोचने रचना करने और विकास करने की शक्ति प्राप्त है। शिक्षा सबसे उद्देश्यपूर्ण अवयव है जो उद्देश्यपरक दिशा प्रदान कर सीखने की प्रक्रिया को आगे बढाती है। आज के विश्व में शिक्षा के बिना जीवन को बेहतर करने के बहुत कम साधन बचते है क्यो कि शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान प्रदान करती है और ज्ञान अंनतिम शक्ति है। साक्षरता और शिक्षा को सामान्यतः सामाजिक विकास के संकेतको के तौर पर देखा जाता है। साक्षरता स्तर जागरूकता और सामाजिक कौशल बढाने तथा आर्थिक दशा सुधारने मे सहायक होता है।

तालिकाः—3

जनपद टिहरी गढवाल में साक्षरता 2011				
	विकास खण्ड	जनसंख्या प्रतिशत में		
		व्यक्ति	पुरुष	महिला
1	भिलंगना	60.52	72.42	50.76
2	कीर्तिनगर	69.5	78.71	61.15
3	प्रतापनगर	64.26	77.17	52.51
4	जाखणीधार	65.23	75.25	56.29
5	देवप्रयाग	63.35	74.81	53.2

6	थौलधार	64.69	74.73	55.89
7	जौनपुर	63.98	74.12	53.82
8	चम्बा	73.26	81.12	65.33
9	नरेन्द्रनगर	68.78	77.95	59.16
10	योग जनपद	65.92	76.31	56.27

स्रोत– सांख्यिकीय पत्रिका टिहरी गढ़वाल, 2011।

आरेखः–2
जनपद टिहरी गढवाल में साक्षरता 2011

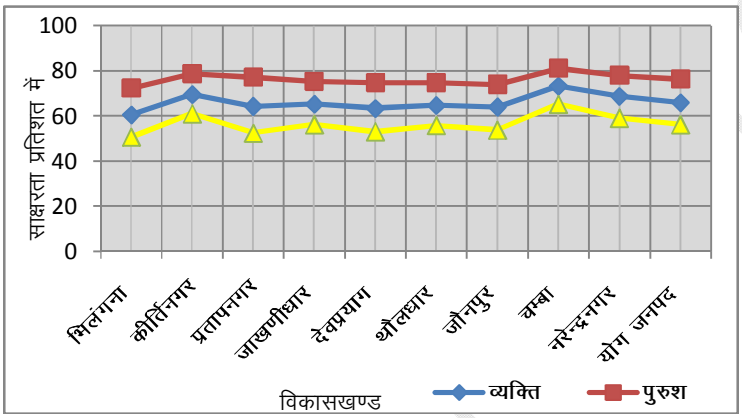

उपरोक्त सारणी में जनपद में विकासखण्ड स्तर पर साक्षरता दर्शायी गयी है। जनपद में कुल साक्षरता 65.92% तथा स्त्री–पुरूष साक्षरता क्रमशः 56.27% तथा 76.31% रही है। जिसमें सबसे अधिक स्त्री साक्षरता चम्बा विकासखण्ड में 65.33% है। सबसे कम स्त्री–पुरूष साक्षरता भिलगना विकासखण्ड में हैं। जनपद में स्त्री–पुरूष साक्षरता का अनुपात देखने से स्पस्ट होता है कि यहॉ स्त्रीयों की तुलना में पुरूष साक्षरता सापेक्षिक रूप से अधिक है।

सन्दर्भ सूचीः–

1– एच0एस0 गर्ग– जनसंख्या एवं अधिवास भूगोल
2–दूबे, उमाकान्त एवं सिंह महेन्द्रबहादुर, ; 2001 जनसंख्या भूगोल रावत पब्लिकेशन जयपुर।
3– डॉ0 अरूण कुमार यादव,– जनसंख्या भूगोल
4– जिला सांख्यिकीय पत्रिका 2011, जनपद टिहरी
4– डॉ रानी दीपा, अप्रकाशित शोध ग्रन्थ 2004 हे0 न0ब0 गढवाल विश्वविद्यालय श्रीनगर, 'जनपद रूद्रप्रयाग में भूआर्थिक संसाधनो का क्षेत्रीय विकास मे मूल्यांकन'